



आक और पारंपरिक जड़ी-बूटियों से बनी,
प्राकृतिक रूप से खमीर उठाकर तैयार की गई
जैविक खाद। मिट्टी की सेहत और फसल की
बढ़वार में मदद के लिए।



निर्माता

FAB^{ORG}



100% प्राकृतिक

आर्का कॉन्सन्ट्रेट™ किससे बनता है?

FABORG में आक के पौधे से रेशा निकालने के बाद बचे हिस्सों को 15 पारंपरिक जड़ी-बूटियों के साथ मिलाया जाता है। फिर जीवामृत से प्रेरित पारंपरिक विधि से खमीर उठाकर आर्का तैयार किया जाता है।



आक के रेशे से आर्का बनने तक

1.



आक और दूसरी प्राकृतिक सामग्री
जंगलों से या आसपास के किसानों से
ली जाती है।

2.



आक के पौधे से रेशा निकालकर
FABORG का नया पौधों से बना
कपड़ा WEGANOOL™ तैयार होता
है।

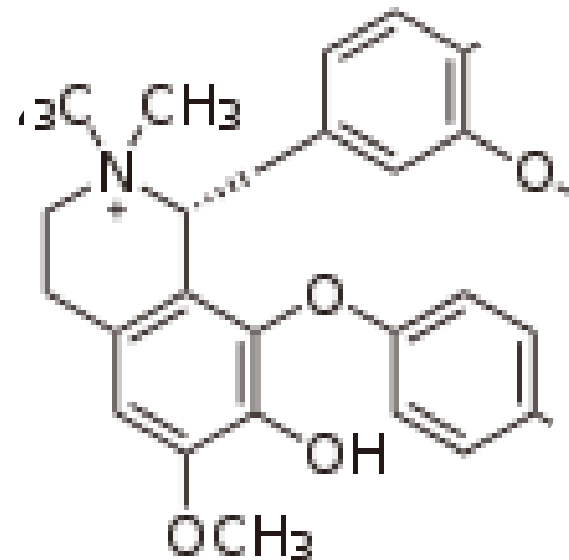
3.



रेशा निकालने के बाद बचे पौधे में
जड़ी-बूटियाँ मिलाकर पारंपरिक
जीवामृत जैसी विधि से खमीर
उठाया जाता है।

प्राकृतिक खेती के लिए पौधों की जानकारी

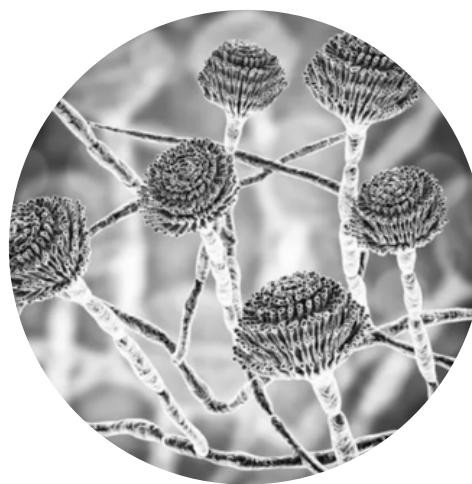
आर्का कैसे काम करता है?



अल्कलॉइड

आक के पौधे में अल्कलॉइड और टैनिन जैसे प्राकृतिक तत्व होते हैं। वैज्ञानिक इनके गुणों पर शोध कर रहे हैं।

कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों में आक के अर्क का विशेष कीटों पर प्रयोगशाला में असर देखा गया है।



2. आक के अर्क पर वैज्ञानिक शोध

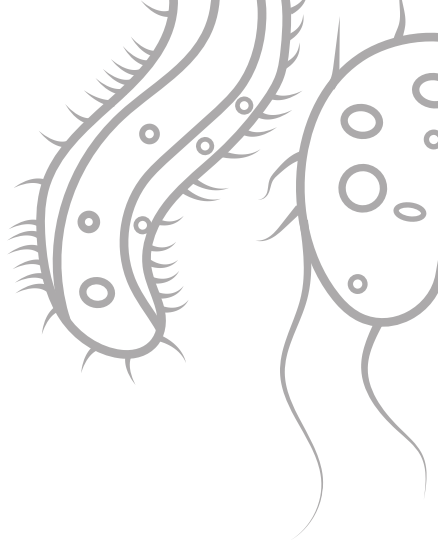
अध्ययनों में आक के अर्क का कुछ सूक्ष्म जीवों पर असर देखा गया है। यह आक के गुणों को समझने में मदद करता है।

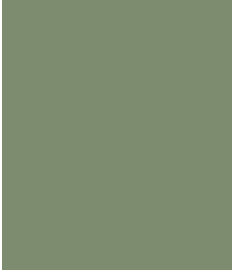


जैसे हमारे पेट में अच्छे सूक्ष्म जीव जरूरी हैं, वैसे ही मिट्टी में भी जरूरी हैं। ये पोषक तत्वों को पौधों तक पहुँचाने में मदद करते हैं।

3. पारंपरिक खमीर प्रक्रिया और मिट्टी की सेहत

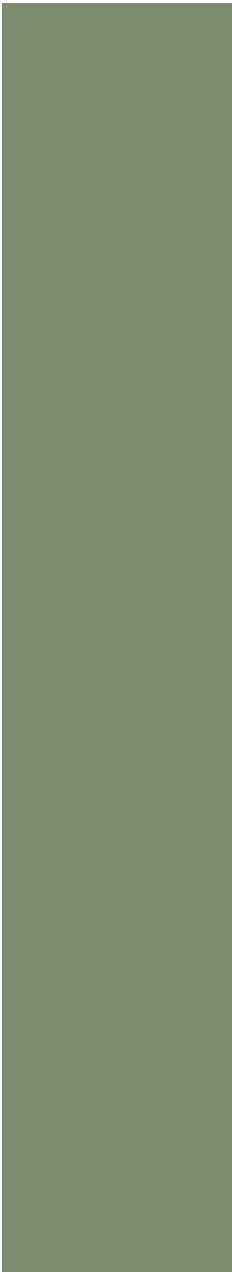
आर्का बनाने में आक के बचे हिस्से, जड़ी-बूटियाँ, देसी गाय का गोबर और पश्चिमी घाट के जंगल की मिट्टी इस्तेमाल की जाती है। यह विधि पारंपरिक जीवामृत से प्रेरित है। मिट्टी के सूक्ष्म जीव पोषक तत्वों के चक्र और मिट्टी की सेहत के लिए जरूरी हैं।





प्रारंभिक लैब परीक्षण: आर्का के साथ
सूक्ष्म जीवों की बढ़वार देखी गई

प्रारंभिक लैब परीक्षण में जाँचे गए
लाभकारी सूक्ष्म जीव आर्का के
साथ बढ़ते पाए गए। इस परीक्षण में
सामान्य अगर माध्यम के मुकाबले
अधिक बढ़वार देखी गई।



Environmental Monitoring Service

Testing and research laboratory for water, soil and food products
Aurobrindavan, Auroville, T.N., India - 605101
Phone: 0413-2964096 / 09786620685
E-mail: ems@auroville.org.in

Test Report

Customer name: FABORG Pvt.Ltd.
Nature of sample: Liquid
Sample ID:

Sample received: 31/08/2024
Analysis completed: 31/08/2024
Sample collected: By customer
Lab ID: 96

S.no	Sample ID	Control (CFU/ml)	Sample (CFU/ml)	Result*
1.	Paecilomyces lilacinus	4.7 × 10 ⁶	4.8 × 10 ⁶	NAP
2.	Phosphorus solubilizing bacteria	4.2 × 10 ⁶	4.1 × 10 ⁶	NAP
3.	Verticillium lecanii	5.6 × 10 ⁶	5.5 × 10 ⁶	NAP
4.	Metarhizium	3.8 × 10 ⁶	3.9 × 10 ⁶	NAP
5.	Beauveria bassiana	3.2 × 10 ⁶	3.5 × 10 ⁶	NAP
6.	Azospirillum	2.0 × 10 ⁶	6.0 × 10 ⁶	NAP
7.	Potassium solubilizing bacteria	6.3 × 10 ⁶	7.4 × 10 ⁶	NAP
8.	Trichoderma viride	4.0 × 10 ⁶	7.0 × 10 ⁶	NAP
9.	Pseudomonas fluorescens	2.0 × 10 ⁶	6.0 × 10 ⁶	NAP
10.	Bacillus thuringiensis	2.0 × 10 ⁶	3.0 × 10 ⁶	NAP
11.	Rhizobium	2.5 × 10 ⁶	3.7 × 10 ⁶	NAP
12.	Azotobacter	7.0 × 10 ⁶	9.0 × 10 ⁶	NAP
13.	Silica Solubilizing	3.0 × 10 ⁶	5.0 × 10 ⁶	NAP
14.	Trichoderma harzianum	7.0 × 10 ⁶	1.2 × 10 ⁶	NAP
15.	Pochonia	5.0 × 10 ⁶	8.0 × 10 ⁶	NAP
16.	Sulfur mobilizer bacteria	1.1 × 10 ⁶	1.4 × 10 ⁶	NAP
17.	Zinc solubilizing bacteria	2.3 × 10 ⁶	2.9 × 10 ⁶	NAP
18.	Mycelium	1.7 × 10 ⁶	2.2 × 10 ⁶	NAP

* NAP - No Antimicrobial Properties. Method of Testing: IS:14648:2005
Note: The antimicrobial solution (AARKA) diluted 1:60 with water. Percentage wise it is 1.67 %.
Then pure culture sample added and mix thoroughly. Contact time 30 min. Samples diluted 0.1%; 1.0%; 10% and added to Petri dishes by pour plate method.

Analyst 

Lab executive 



चाहे आप पहले से प्राकृतिक खेती कर रहे हों या अब शुरू कर रहे हों, आर्का को अपने खेती के तरीके में शामिल कर सकते हैं।

रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती की ओर

आर्का में आक के पौधे, पारंपरिक जड़ी-बूटियों और खमीर की विधि का उपयोग किया जाता है।



350+ मीट्रिक टन

आर्का का उपयोग

भारत में कई तरह की फसलों पर किसानों ने आर्का का इस्तेमाल किया है। किसानों के अनुभव और खेतों में देखे गए नतीजे हमारे पास हैं।

80+ फसलें

40+ कीट और रोग



संतरा
₹250/एकड़
जड़ में देना /
छिड़काव

नारियल, काजू, टमाटर, खीरा,
आम, केला, पपीता, ड्रैगन फ्रूट,
नींबू, संतरा, अमरूद, एवोकाडो,
सहजन, सुपारी, सुंडेकाई, पैशन
फ्रूट, कॉफी, चाय, काली मिर्च

इलायची, गन्ना, धान, उड़द,
बाजरा, रागी, फ्रेंच बीन्स, मूँग,
अवरैकाई, गेंदा, रजनीगंधा, संपंगी,
गुलाब, चमेली, कपास और अन्य
फसलें...

तरबूज, खरबूजा, स्ट्रॉबेरी, मिर्च,
पालक, मूँगफली, आलू, गाजर,
हल्दी, फूलगोभी, प्याज,
पत्तागोभी, बैंगन, करेला, पान,
तोरई, लौकी, जुकीनी

संतरे का बाग
एक हफ्ते में नई
बढ़वार



संतरा

इलायची, कॉफी, चाय और गन्ने में आर्का को पानी में मिलाने और इस्तेमाल करने का तरीका

छिड़काव: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

शुरुआती 3 छिड़काव हर 10 दिन पर करें। फिर हर 15 दिन पर छिड़काव करें।

जड़ों में देने के लिए: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

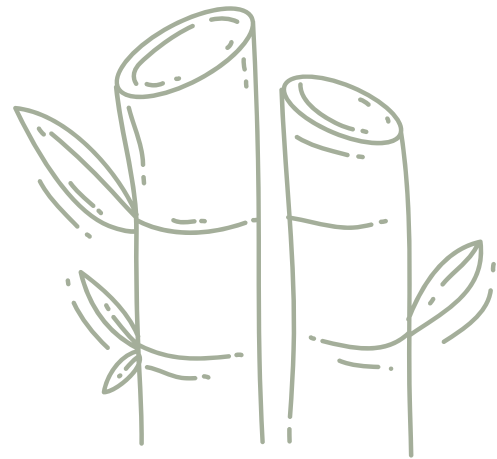
महीने में एक बार जड़ों के पास दें। प्रति एकड़ 2.5 लीटर आर्का पानी में मिलाकर इस्तेमाल करें।



इलायची



कॉफी



गन्ना*



चाय

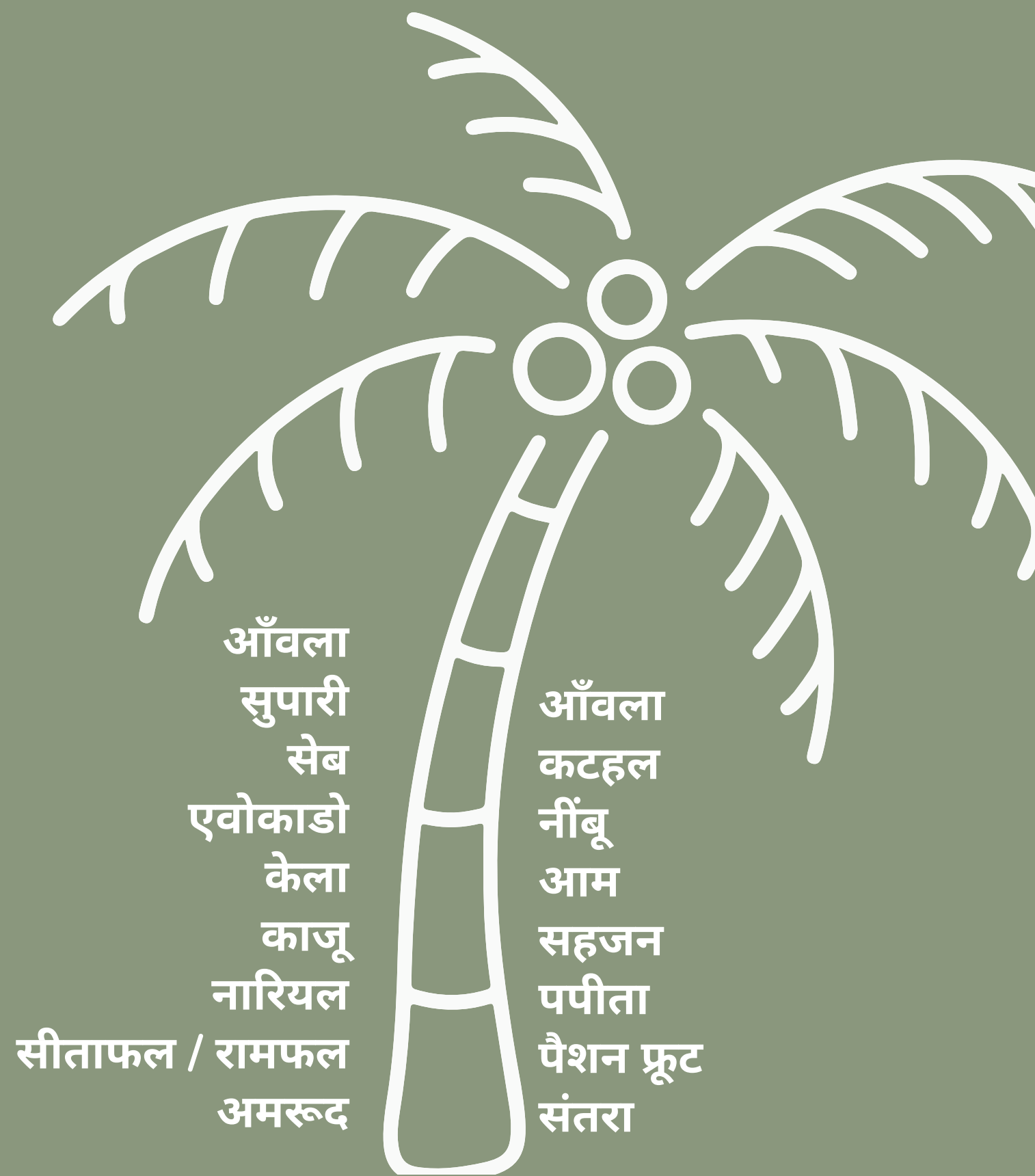
इलायची, कॉफी, चाय और गन्ने में इस्तेमाल का तरीका

छिड़काव: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

पहले 3 छिड़काव 10-10 दिन के अंतर से करें। फिर हर 15 दिन पर करें। गन्ने में शुरुआती अवस्था में 15 दिन के अंतर से 2-3 छिड़काव करें।

जड़ों में: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

प्रति एकड़ 2-3 लीटर आर्का पानी में मिलाकर महीने में एक बार जड़ों के पास दें।



आँवला
सुपारी
सेब
एवोकाडो
केला
काजू
नारियल
सीताफल / रामफल
अमरूद

आँवला
कटहल
नींबू
आम
सहजन
पपीता
पैशन फ्रूट
संतरा

फलदार पेड़ों में आर्का मिलाने और इस्तेमाल करने का तरीका

छिड़काव: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

फूलों, पत्तियों और तनों पर अच्छी तरह छिड़काव करें। फूल आने के समय हर 10–15 दिन पर, बाकी समय महीने में एक बार।

जड़ों में: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

हर पेड़ की जड़ों के पास लगभग 5 लीटर तैयार घोल डालें। खासकर फूल आने से पहले और फूल आने के समय। नियमित इस्तेमाल से जड़ों और पौधों की बढ़वार को सहारा मिलता है।



दूसरी फसलों में आर्का को पानी में मिलाने और इस्तेमाल करने का तरीका

छिड़काव: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

फसल के दौरान हर 10–15 दिन पर छिड़काव करें। नियमित उपयोग से पौधों की बढ़वार में मदद मिलती है।

थ्रिप्स के लिए छिड़काव: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

थ्रिप्स की समस्या होने पर हर 4 दिन पर छिड़काव करें।

जड़ों में देने के लिए: 1 लीटर आर्का + 60 लीटर पानी

फसल के मौसम में कम से कम हफ्ते में एक बार इस्तेमाल करें। धान में जड़ों के पास घोल न डालें।

पान
करेला
लौकी
बैंगन
पत्तागोभी
शिमला मिर्च
गाजर
फूलगोभी
मिर्च
गुलदाउदी
मक्का
कपास
ड्रैगन फ्रूट
रागी
अवरैकाई
फ्रेंच बीन्स
चमेली
तोरई
गेंदा

मसूर
खरबूजा
मूँग
प्याज
मूँगफली
बाजरा
काली मिर्च
आलू
गुलाब
संपंगी
पालक
स्ट्रॉबेरी
टमाटर
अरहर
रजनीगंधा
हल्दी
उड़द
तरबूज
जुकीनी
धान*



	सामग्री	मात्रा	खर्च (₹)	कुल तैयार मात्रा	200 लीटर की टंकी	
					मात्रा	खर्च
तेल का मिश्रण	नीम का तेल	500 मिली	150	50ltr	1 लीटर	13.2 ₹
	महुआ का तेल	500 मिली	70			
	अरंडी का तेल	500 मिली	70			
	करंज का तेल	500 मिली	70			
	पानी	48 लीटर	0			
	रीठा	2 किलो	300			
	कुल		660			
मछली का अमीनो अम्ल मिश्रण तैयार होने का समय: 40 दिन	मछली का बचा हिस्सा	20 किलो	500	50 लीटर	500 मिली	21 ₹
	गुड़	20 किलो	800			
	पका केला (बचा हुआ)	20 किलो	800			
	कुल		2100			
ताँबा और दही का मिश्रण तैयार होने का समय: 15 दिन	दही	5 लीटर	200	50 लीटर	1 लीटर	15 ₹
	ताँबे के टुकड़े	1 किलो	500			
	पानी	45 लीटर	0			
	गुड़	1 किलो	50			
	कुल		750			

200 लीटर घोल के लिए सामग्री का अनुमानित खर्च: ₹50

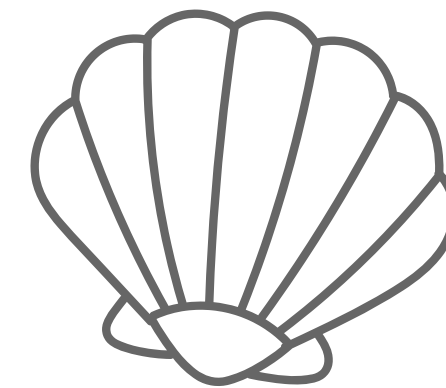
दही और नारियल के दूध का मिश्रण तैयार होने का समय: 10 दिन	दही	5L	200	50 लीटर	1 से 3 लीटर	6.2 से 18.6 ₹
	नारियल का दूध	5L	60			
	पानी	40 लीटर	0			
	गुड़	1 किलो	50			
	कुल		310			
पंचगव्य तैयार होने का समय: 30 दिन	देसी गाय का गोबर	12.5 किलो	0	50 लीटर	1 लीटर	54.5 ₹
	देसी गाय का मूत्र	7.5 लीटर	0			
	गाय का दूध	7.5 लीटर	350			
	गाय का घी	2.5 किलो	1200			
	गुड़	1.25 किलो	75			
	दही	15 लीटर	900			
	पका केला	30 नग	200			
	कुल		2725			
जीवामृत तैयार होने का समय: 48 घंटे	देसी गाय का गोबर	10 किलो	0	50 लीटर	1L	4 ₹
	देसी गाय का मूत्र	10 लीटर	0			
	मूँग दाल का आटा	1 किलो	150			
	जंगल की मिट्टी	1 किलो	0			
	गुड़	1 किलो	50			
	पानी	25 लीटर	0			
	कुल		200			

200 लीटर घोल के लिए सामग्री का अनुमानित खर्च: ₹197.50

क्षारीय घोल कैसे तैयार करें?

अपनी भाषा में घोल बनाने की पूरी विधि जानने के लिए FABORG या अपने किसान प्रतिनिधि से संपर्क करें।

	सामग्री	मात्रा	खर्च (₹)	कुल तैयार मात्रा	200 लीटर की टंकी	
					मात्रा	खर्च
जैविक पोटैश तैयार होने का समय: 10 दिन	राख	15 किलो	75	50 लीटर	1 लीटर to 3 लीटर	1.5 से 4.5
	बारिश का पानी	50 लीटर	0			
समुद्री सीप का चूना	समुद्री सीप का चूना पाउडर	10 किलो	200		50g	1 ₹



मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्म जीवों को पोषण दें



	सामग्री	मात्रा	खर्च (₹)	कुल तैयार मात्रा	200 लीटर की टंकी	
					मात्रा	खर्च
खली का मिश्रण तैयार होने का समय: 3 दिन	मूँगफली की खली	2 किलो	100	100 लीटर	3 से 5 लीटर	21 से 35 ₹
	तिल की खली	2 किलो	100			
	नारियल की खली	2 किलो	100			
	महुआ की खली	2 किलो	100			
	करंज की खली	2 किलो	100			
	नीम की खली	2 किलो	100			
	अरंडी की खली	2 किलो	100			
	पानी	100 लीटर	0			
	आर्का कॉन्सन्ट्रेंट	100 मिली	6			
	कुल		706			
चावल का पानी तैयार होने का समय: 48 घंटे	चावल	1 किलो	30	50 लीटर	3 से 5 लीटर	1.8 से 3 ₹
	पानी	50 लीटर	0			
	कुल		30			

ध्यान दें: आर्का का मच्छरों को दूर भगाने के लिए भी उपयोग किया जाता है



इस्तेमाल करने का आसान तरीका

1. सबसे पहले घर और आसपास जमा पानी हटाएँ, जहाँ मच्छर पनपते हैं।
2. बाहर: 1 लीटर आर्का को 60 लीटर पानी में मिलाएँ। दीवारों, पक्की जगहों, पौधों और घास पर छिड़काव करें।
3. घर के अंदर (वैकल्पिक): सफाई के पानी की बाल्टी में 5–10 मिली आर्का मिलाकर पोंछा लगा सकते हैं।
4. जरूरत के अनुसार हफ्ते में एक बार दोहराएँ। यह उपयोग खेत में कीट नियंत्रण के लिए दी गई सलाह से अलग है।

वैज्ञानिक शोध | आक का पौधा

आक के प्राकृतिक तत्व और रोगाणुओं पर शोध

2013

आक (*Calotropis procera*) के रोगाणुरोधी गुण और चार फ्लेवोनॉइड यौगिकों की पहचान

Nenaah | World Journal of Microbiology & Biotechnology

DOI: <https://doi.org/10.1007/s11274-013-1288-2>

2016

आक की दो प्रजातियों के पत्तों के अर्क की रासायनिक बनावट और रोगाणुरोधी गुणों पर अध्ययन

PubMed

URL: <https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/27936921/>

2021

आक (*Calotropis procera*) के रोगाणुरोधी गुणों पर शोध

Amini et al. | Arabian Journal of Chemistry

DOI: <https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2021.103181>



पौधों का विज्ञान | खेती में संभावित उपयोग

2021

आक के प्राकृतिक रसायनों और औषधीय संभावनाओं पर समीक्षा

Wadhwani et al. | RSC Advances

DOI: <https://doi.org/10.1039/D1RA06703F>

2021

आक के वानस्पतिक, पर्यावरणीय और आर्थिक महत्व का परिचय

Frontiers in Plant Science

DOI: <https://doi.org/10.3389/fpls.2021.690806>

2026

पौधों से बनने वाले कीटनाशक के रूप में आक: इसके गुण और खेती में संभावित उपयोग

Phurailatpam et al. | Journal of Experimental Zoology India

DOI: <https://doi.org/10.51470/jez.2026.29.2.1123>





सूत्रकृमि (निमेटोड)

https://www.fortunejournals.com/ijpaes/admin/php/uploads/411_pdf.pdf



पपीते का मिलीबग

<http://www.ijirst.org/articles/IJIRSTV4I1069.pdf>



हीरक पीठ पतंगा (DBM)

<https://rebrand.ly/b26c43>



कपास की पत्ती खाने वाली इल्ली

<https://rebrand.ly/ugo1xd6>



कपास की सुंडी

<https://rebrand.ly/e49d2c>

<https://rebrand.ly/87wpx89>

<https://rebrand.ly/574d81>



फ्यूजेरियम रोग

<https://rb.gy/d41ra>

<https://rebrand.ly/d7ed45>



शोध के प्रमाण | इन्हें कैसे समझें?

पौधों के अर्क पर शोध	आक के पौधे के अलग-अलग हिस्सों और अर्क पर शोध
आर्का की लैब जाँच	तैयार आर्का पर अलग से की गई जाँच
किसानों के अनुभव	खेत की रिपोर्ट और किसानों के अनुभव

आक पर हुए वैज्ञानिक शोध से आगे

प्रकाशित शोध हमें आक के गुण समझने में मदद करते हैं। आर्का की अलग जाँच और किसानों के अनुभव खेत में इसके उपयोग की जानकारी देते हैं।

पूरी जानकारी के लिए दिए गए शोध लिंक देखें।





AARKA CONCENTRATE™

@aarkanaturalfarming · 2.98K subscribers · 89 videos

We work directly with farmers to make natural farming effective and affordable. ...more

faborg.in/aarka

Customise channel

Manage videos

किसानों के वीडियो YouTube पर देखें

 [यहाँ क्लिक करें](#)

Home Videos Shorts Playlists Posts 

For you



SWEETLIME
ONE-STOP SOLUTION

Root fungal rot, Blight disease, Green worms, White and black thrips, Aphids, Mealybugs, Whiteflies, Nematodes

₹90-150 /ACRE

Crafted by FABO 2:36



PAPAYA & MELON
ONE-STOP SOLUTION

Leafcurl virus, Mealybugs, Green worms, Root fungal infections, Fungal wilt, Viral wilt, etc...

90 Rs/acre ONLY!

Crafted by FABO 1:39



BRINJAL
ONE-STOP SOLUTION

Fusarium, Mosaic virus, Trips, White flies, Mealybugs, Green worms, Nematodes, Stem borers, Fungal rot, Viral wilt

90 Rs/acre ONLY!

Crafted by FABO 0:39

 प्राकृतिक खेती की मुफ्त सलाह
किसान से किसान तक

 सीधे फैक्टरी से
फोन करें: +91 638 2323 356

 जल्दी माल भेजने की सुविधा
पूरे भारत में

FABORG PVT LTD

 विल्लुपुरम, तमिलनाडु

 info@faborg.in

 www.faborg.in/shop



लाइक करें 
सब्सक्राइब करें 
दोस्तों से शेयर करें 

